

कैलाश मानसरोवर यात्रा

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

भारत और चीन ने वार्षिक **कैलाश मानसरोवर यात्रा (KMY)** की पुनः शुरुआत करने पर सहमत वियक्त की है।

- कैलाश पर्वत काले रंग की चट्टानों से नरिमति हीरे के आकार का शखिर है, जो तबिबत में अवस्थित है।
- भारत प्रतविरष जून से सतिंबर माह में उत्तराखंड में लपुलेख दर्रा (1981 से) और सक्किमि में **नाथु ला दर्रा (2015 से)** के माध्यम से KMY का आयोजन करता है।
- कैलाश पर्वत की ऊँचाई **6,638 मीटर** है और यह **हद्वि, बौद्ध, जैन और बॉन** (तबिबत का मूल धर्म) धर्मों के लिये एक पवतिर शखिर है।
 - तबिबती बौद्ध अनुयायियों के लिये, कैलाश ब्रह्मांडीय अक्ष या **मेरु पर्वत** है, जो **स्वर्ग और पृथ्वी** को जोड़ता है।
 - हद्वि धर्म में, यह भगवान शवि और देवी पार्वती का वास स्थल है।
 - जैन धर्म में, कैलाश **अष्टपद** है, जहाँ **ऋषभनाथ** को ज्ञान प्राप्त हुआ था।
- कैलाश पर्वत को **पृथ्वी का आध्यात्मिक केंद्र** कहते हैं, जहाँ से **सतलुज, ब्रह्मपुत्र, करनाली और सधि** नदियाँ निकलती हैं।
- **मानसरोवर झील** पर्वत की तलहटी में स्थित है।
- कैलाश पर्वत की ऊँचाई हालाँकि **माउंट एवरेस्ट (8,849 मीटर)** से कम है, कति इस पर चढ़ाई नहीं की जा सकती क्योंकि इसके पवतिर महत्त्व के कारण इस पर चढ़ाई करना प्रतबिधति है।



और पढ़ें: **कैलाश मानसरोवर यात्रा**

